# योग के क्षेत्र में अपार संभावनाएं पूर्व छात्र अभिषेक

पूर्व छात्र अभिषेक और रोहित का अन्तर्राष्ट्रीय योग में गोल्ड मैडल

37वाँ नेशनल खेल सीनियर टूर्नामेंट गोवा में संपन्न हुआ जिसमें विद्यालय के दो पूर्व छात्र रोहित और अभिषेक ने राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीतकर विद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर चमकाया। उन्होंने गोपाल पुंज के संपादक दीपक कौशिक से बातचीत करते हुए बताया कि योग के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं। आज भारत विश्व का मार्गदर्शन कर रहा है और अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की पहल का नतीजा है। अभिषेक और रोहित ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति को योग का महत्व समझ में आ रहा है और वह स्वस्थ रहने के लिए प्राणायाम, ध्यान, योग जीवन का एक आधार बिंदु आम जनमानस भी बना रहा है। इस क्षेत्र में योगा कोच से लेकर विभिन्न प्रकार के संस्थान इसके महत्त्व को समझ रहे हैं और व्यवसाय की दृष्टि से और लोगों के शारीरिक रोगों को दूर करने के लिए योग आज महत्त्वपूर्ण औषधि के रूप में काम आ रहा है। विद्यालय के दोनों पूर्व छात्र इससे पहले भी अनेक पदक जीत कर विद्यालय का नाम रोशन कर चुके हैं। इस सफलता के लिए विद्यालय के प्राचार्य बलबीर सिंह ने दोनों विजेता छात्रों व उनके अभिभावकों को विशेष रूप से बधाई दी। विद्यालय प्रबंध समिति ने कहा हमारे पूर्व छात्र देश और विदेश में विद्या भारती का नाम रोशन कर रहे हैं यह हमारे लिए गर्व की बात है।

## विद्या भारती द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र योग प्रतियोगिता में सिल्वर मेडल

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित उत्तर क्षेत्र योगासन प्रतियोगिता का आयोजन अमृतसर पंजाब में आयोजित हुआ जिसमें विद्यालय की अंडर-19 बहनों की टीम ने सिल्वर मेडल जीता। ज्योति, अंजलि, रिहाना, सेजल, शगुन इन पांच बहनों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया था। इससे पहले जिला और राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक जीतकर उत्तर क्षेत्र की प्रतियोगिता में भाग लिया था। विद्या भारती के उत्तर क्षेत्र संगठन मंत्री विजय नड्डा जी भी उनकी योग प्रतिभा की प्रशंसा कर चुके हैं। इन बहनों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों में योग प्रदर्शन सर्वश्रेष्ठ रहता है। विद्यालय प्रबंध समिति ने अंडर-19 की टीम व इनके शारीरिक शिक्षक को विशेष रूप से बधाई दी।

# कुश्ती के पहलवान मोहित ने किया SGFI क्वालीफाई

## ओलंपिक में पदक जीतना मेरा सपना मोहित

विद्यालय के भैया मोहित कुश्ती के दमदार पहलवान हैं। अनेक प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर विद्यालय का नाम रोशन करते आए हैं। अब तक लगभग 35 से 40 किलोग्राम की विभिन्न प्रतियोगिताओं में मैदान में सामने वाले पहलवान को धूल चटा चुके हैं। हाल ही में 92 किलोग्राम राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर अपनी खेल क्षमता का परिचय दिया। मोहित ने बताया कि परिवार पूर्ण रूप से मुझे खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए मदद करता है, साथ ही मेरी कोच मीनाक्षी मेडम का बहुत विशेष योगदान है जिससे मैं अपने खेल प्रदर्शन को और बेहतर बना पाता हूँ। मेरे जीवन का सपना है कि इंटरनेशनल एशियाई पदक और ओलंपिक में पदक जीतकर भारत का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिख सकूँ। इसके लिए मेरा प्रयास सदैव बना रहेगा।

## टपरीवास कॉलोनी से उठकर मैदान में धूल चटा रहा है पहलवानों को आदित्य

अगर मन में मजबूत इच्छा शक्ति हो तो कोई भी रुकावट आपका रास्ता नहीं रोक सकती। टपरीवास कॉलोनी में कूड़ा बीनने वाले परिवार में जन्मे आदित्य ऐसे होनहार पहलवान हैं जो अपनी प्रतिभा के दम पर जिला, राज्य में उत्तर क्षेत्र की विभिन्न कुश्ती की प्रतियोगिताओं में सामने वाले पहलवान को धूल चटाने में सक्षम हैं। भैया आदित्य का कहना है कि मैं अपने देश के लिए खेल कर उसका नाम रोशन करना चाहता हूँ और मेरी सफलता से हमारी बस्ती के अन्य बच्चे भी प्रेरणा ले सकेंगे और उस कूड़े के देर से उठकर जीवन में और भी सपने देखे जा सकते हैं। इसका आकलन कर सकेंगे। मेरी कुश्ती सदा देश के लिए समर्पित रहेगी और मैं हमेशा यह प्रयास करूँगा कि मेरा खेल प्रदर्शन शानदार और सफलतापूर्वक रहे।

## वीर अभिमन्यु ने जीता उत्तर क्षेत्र में गोल्ड मेडल

विद्या भारती द्वारा आयोजित कुश्ती प्रतियोगिता में 48 किलोग्राम वर्ग में वीर अभिमन्यु ने उत्तर क्षेत्र की प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता। इससे पहले भी वह कई प्रतियोगिताओं में पुरस्कार जीत चुका है। वीर अभिमन्यु ने बताया कि मैं आगे चलकर राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर देश का नाम रोशन करुँगा

# खेल नर्सरी खिलाड़ियों के लिए साबित हो रही है मील का पत्थर बलबीर सिंह

हरियाणा सरकार द्वारा खेल क्षेत्र में नई प्रतिभाएँ अपना प्रदर्शन दिखाएं इसके लिए सरकार ग्रामीण व शहरी क्षेत्र के विद्यालयों में खेल नर्सरी बनाकर खिलाड़ियों के लिए कोच व मासिक डाइट के लिए धनराशि देकर खेल क्षेत्र को मजबूत करने में लगी है। यह राज्य सरकार का प्रशंसनीय प्रयास है। विद्यालय परिसर में भी हैंडबॉल खेल नर्सरी है, जिसमें विद्यालय के भैया बहन अनुभवी शारीरिक कोच चिराग ढांडा के माध्यम से उनकी खेल प्रतिभा को निखारने का काम कर रहे हैं। जिसमें जूनियर व सीनियर खिलाड़ियों का चयन एक प्रक्रिया के तहत होता है। उसके बाद सरकार से मिलने वाला अनुदान खिलाड़ियों के खाते में आता है। विद्यालय में खेल नर्सरी पिछले कई वर्षों से चल रही है जिसके परिणाम स्वरूप हमारे अनेक भैया बहन हैंडबॉल प्रतियोगिताओं में विभिन्न पदक जीतकर विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। इसके अलावा हमारा प्रयास रहता है कि खिलाड़ी छात्र भैया-बहनों को किसी प्रकार की कोई कमी ना रहे, इसके लिए विद्यालय प्रबंध समिति सदैव तत्पर रहती है।